अधिग्रहण किया जाता है, तो विस्थापित किसानों को उनकी योग्यतानुसार उस कारखाने में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाता है। परन्तु ऐसे किसानों के साथ बड़ा अन्याय हो जाता है। जब स्थानीय अधिकारी पक्षपातपूर्ण व्यवहार करके किसानों को सेवा का अवसर न देकर अन्य लोगों को दे देते हैं। इलाहाबाद जनपद के अन्तर्गत फूलपुर में स्थित इफको के उर्वरक कारखाने में भी कुछ उन किसानों के साथ अन्याय किया गया जिनकी भूमि कारखाने के लिए ली गई थी। आज भी इस प्रकार के लगभग 100 किसान रोजगार रहित हैं। प्रारम्भ में ही निहित स्वार्थी अधिकारियों द्वारा तमाम बाहर के लोग नियुक्त कर लिये गये। बाद में इन किसानों को आश्वासन दिया जाता रहा है कि इफको कारखाने के साथ सोडा ऐश फैक्ट्री लगने जा रही है जिसमें इन किसानों को रोजगार दिया जायेगा। 30 दिसम्बर, 1981 को इफको कारखाने के उद्घाटन के अवसर पर माननीय कृषि मंत्री जी ने भी घोषणा की कि सोडा ऐश फैक्ट्री यहां शीघ्र स्थापित की जायेगी परन्तु घोषणा के क्रियान्वयन का प्रारम्भ दूर तक दिखाई नहीं देता। उर्वरक कारखाने का उच्छिष्ठ पदार्थ एक नाले द्वारा निस्तारित किया जाता है। विशेषकर खरीफ के मौसम में नाले का गन्दा पानी दूर दूर तक फैल कर फसलों को जला देता है। इस प्रकार गन्दे पानी को नियन्त्रित करके निकालना अत्यावश्यक है अन्यथा किसानों की फसलें बर्बाद होती रहेंगी।

अतः मैं माननीय कृषि मंत्री जी से साग्रह निवेदन करूंगा कि वे इफको, फूलपुर से संबंधित समस्याओं की ओर व्यक्तिगत ध्यान देकर उनके निराकरण के लिये आवश्यक कदम उठायें। जिन किसानों की भूमि कारखाने में ली गई थी और जिन्हें अभी तक रोजगार नहीं दिया जा सका है, उनकी तुरन्त जांच करा कर उन किसानों को यथायोग्य रोजगार दिलाने की व्यवस्था की जाय अन्यथा किसानों का धैर्य उग्र हो कर आन्दोलनात्मक मार्ग अपना सकता है।

(ii) PROBLEMS FACED BY INDIANS WORKING IN GULF COUNTRIES

SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palghat)* : I draw the attention of the Government to a serious situation arising out of a large number of Indians working in Gulf countries being sent back for some reason or the other. It is reported that those who do not possess valid travel documents are being sent back in launches at great risk of their lives.

It is true that the lure of Gulf money was so irresistible that large number of our people managed to reach these countries without any valid documents. But once they reached there, by their hardwork, they have contributed enormously in building huge factories and palatial mansions. Their contribution to the foreign exchange reserve of our country has been substantial. Majority of Indian workers who are sustaining their families in India and helping us build our foreign exchange reserve are often living and working in hard conditions in these countries.

The mass repatriation of these workers, majority of whom is Karalites, is going to wreck the economy of Kerala particularly, as lakhs of families in our State depend entirely on the money being sent from Gulf. It is true that these countries have their own labour laws, and the Government of India cannot interfere with that. However, considering the impact of a large scale repatriation of Indian workers on the economy of the country as a whole, the Government should take up matter with the authorities in these countries and find a solution to this problem. I would request the Government to act without any further loss of time.

* The Original speech was delivered in Malayalam.